064

HD - 03

December - Examination 2015

B.A. Examination

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

Paper - HD - 03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश :–

1) यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों, अ खण्ड, ब खण्ड, और स खण्ड में विभाजित है। खण्ड 'अ' अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) $10 \times 2 = 20$

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकत 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(i) नाटक शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई?

(ii) लल्लूलाल और सदल मिश्र किस कॉलेज में किस विषय के अध्यापक थे?

(iii) 'कलाधर' उपनाम किसका है?

(iv) 'महाभारत की एक साँझ' किस विधा में लिखा गया है।

(v) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार गद्य की कसौटी क्या है?

(vi) हिन्दी की प्रथम आत्मकथा तथा आत्मकथाकार का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) भोलाराम का जीव कहाँ अटक गया था?

(viii) हरिवंशराय बच्चन को किस वाद का प्रवर्तक माना जाता है।

(ix) उत्साह किसे कहते हैं?

(x) रेडियो रूपक की परिभाषा लिखो।

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2) एकांकी एवं नाटक के स्वरूप में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3) संस्मरण की परिभाषा देते हुए हिन्दी के संस्मरण के विकास पर प्रकाश डालिए।

4) 'महाभारत की एक साँझ' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

5) घीसा की गुरुभक्ति पर एक टिप्पणी लिखो।

6) उदाहरण देकर समझाइये। कि तुलसी के साहित्य में सभी मतों एवं धर्मों का समन्वय हुआ है।

7) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''फल की भावना से उत्पन्न आनंद भी साधक कर्मों की ओर हर्ष और तत्परता के साथ प्रवृत्त रहता है। पर फल का लोभ जहाँ प्रधान रहता है, वहाँ कर्म विषयक आनंद उसी फल की भावना की तीव्रता और मन्दता पर

अवलम्बित रहता है। उद्‌योग के प्रभाव के बीच जब फल की भावना मंद पड़ती है, उसकी आशा कुछ धुँधली पड़ जाती है। तब आनंद की उमंग कुछ गिर जाती है। और उसी के साथ उद्‌योग में भी शिथिलता आ जाती है। पर कर्म–भावना–प्रधान उत्साही बराबर एक रस रहता है।''

8) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''धर्मराज ने कहा,'' वह समस्या तो कभी की हल हो गई। नरक में पिछले सालों बड़े गुणी कारीगर आ गये हैं। जिन्होंने पूरे पैसे लेकर कई इमारतें बनाई। बड़े बड़े इंजीनियर भी आ गये हैं, जिन्होंने ठेकेदारों से मिलकर पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा खाया। ओवरसियर हैं, जिन्होंने उन मज़दूरों की हाज़िरी भरकर पैसा हड़पा जो कभी काम पर गये ही नहीं। इन्होंने बहुत जल्दी नरक में कई इमारतें तान दी है।

9) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''करकराते है वह झूठ जो आदमी बोला, वह बेईमानियाँ जो उसने की, वह छोटे बड़े अत्याचार जो उसने कभी इस कभी उस बहाने से अपने अन्त:करण पर किये। करकराती हैं वह लिप्पसाएँ जो पूरी नहीं हुई। यहाँ तो वह सब कुछ भी नहीं। एक ज़िन्दगी मिली थी, झीनी–झीनी बीनी एक चादर, जिसे कबीरदास ने जतन से ओढ़कर ज्यों की त्यों धर दिया था।''

(खण्ड – स) 2 x 20 = 40

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10) तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य विषय पर एक निबंध लिखिए।

11) गुप्तकाल की परिस्थितियों का वर्णन ध्रुवस्वामिनी नाटक के आधार पर कीजिए।

12) यात्रा वृत्तांत किसे कहते हैं? प्रमुख यात्रा वृत्तांतों का परिचय दीजिए।

13) रिपोर्ताज लेखन के तत्वों के आधार पर 'अदम्य–साहस' का विश्लेषण कीजिए।

———